भारत सरकार
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय
पशुपालन और डेयरी विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या - 5130
दिनांक 24 मार्च, 2026 के लिए प्रश्न

राष्ट्रीय गोकुल मिशन के अंतर्गत प्रगति

5130. श्री बी. वाई. राघवेन्द्रः

क्या **मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) सरकार द्वारा पशुपालन और दुग्ध उत्पादन विभाग की राष्ट्रीय गोकुल मिशन जैसी योजनाओं की शुरुआत से लेकर इनके अंतर्गत गोवंश में अज्ञात कारणों से होने वाली बीमारियों के निदान की सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण और देश में जुगाली करने वाले पशुओं के स्वास्थ्य और उत्पादकता में सुधार लाने के लिए राज्यवार, विशेषकर कर्नाटक में अब तक हुई प्रगति क्या है;

(ख) इस बारे में प्राप्त प्रमुख उपलब्धियां क्या हैं, और गोकुल ग्रामों की स्थापना, कृत्रिम गर्भाधान सेवाओं का विस्तार और स्वदेशी मवेशी नस्लों का संरक्षण एवं विकास का ब्यौरा क्या है और गोकुल ग्रामों की स्थापना के स्थान कौन-कौन से हैं;

(ग) केंद्र सरकार द्वारा मिशन के अंतर्गत कर्नाटक राज्य को प्रदान की गई वित्तीय सहायता का ब्यौरा क्या है और पिछले तीन वर्षों में इन पहलों ने दुग्ध उत्पादन और दुधारू पशुओं की उत्पादकता में सुधार में कितना योगदान दिया है; और

(घ) क्या सरकार का हल्लीकर, अमृत महल, देवनी और मलनाद गिद्दा जैसी नस्लों के संरक्षण और आनुवंशिक सुधार के लिए कर्नाटक में भ्रूण अंतरण प्रौद्योगिकी (आईवीएफ) प्रयोगशालाएं या इसी प्रकार के स्वदेशी मवेशी विकास केंद्र स्थापित करने का विचार है?

उत्तर
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री
(श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह)

(क) से (घ) भारत सरकार के पशुपालन और डेयरी विभाग द्वारा कार्यान्वित विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत प्राप्त प्रमुख उपलब्धियाँ निम्नलिखित हैं:

1. देशी नस्लों के विकास और संरक्षण, बोवाईन आबादी के आनुवंशिक उन्नयन और बोवाइनों के दूध उत्पादन और उत्पादकता में वृद्धि के लिए राष्ट्रीय गोकुल मिशन (RGM)। ICAR राष्ट्रीय पशु आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो (ICAR NBAGR) द्वारा मान्यता प्राप्त सभी देशी बोवाइन नस्लें, जिनमें कर्नाटक की नस्लें जैसे हल्लीकर, अमृत महल, देवनी, मलनाद गिद्दा, कृष्णा घाटी आदि शामिल हैं। राष्ट्रीय गोकुल मिशन के तहत उठाए गए प्रमुख कदम और कर्नाटक सहित पूरे देश में प्राप्त उपलब्धियां निम्नलिखित हैं:

(i) किसानों के द्वार तक गुणवत्तापूर्ण कृत्रिम गर्भाधान सेवाएं प्रदान करने के लिए राष्ट्रव्यापी कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम (NAIP) का कार्यान्वयन, जिसमें देशी नस्लों के सांडों सहित उच्च गुणता वाले सांडों के सीमन का उपयोग किया जाता है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत अब तक देश भर में 5.74 करोड़ किसानों के 9.67 करोड़ पशुओं को कवर करते हुए 15.29 करोड़ कृत्रिम गर्भाधान किए जा चुके हैं, जिनमें से कर्नाटक राज्य में 63.68 लाख किसानों के 88.66 लाख पशुओं को कवर करते हुए 180.51 लाख कृत्रिम गर्भाधान किए गए हैं।

(ii) देश में पहली बार, बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा विकसित तकनीक का उपयोग करते हुए सरकारी क्षेत्र में 5 सेक्स सॉर्टेड सीमन उत्पादन सुविधाएं स्थापित की गई हैं। सरकार ने देशी सेक्स सॉर्टेड सीमन तकनीक शुरू की है और कर्नाटक (केंद्रीय हिमित सीमन उत्पादन और प्रशिक्षण संस्थान, बैंगलोर) में 1 सुविधा सहित 3 सुविधाएं स्थापित की हैं और अब तक देशी तकनीक का उपयोग करके 40 लाख खुराकों का उत्पादन किया जा चुका है।

(iii) त्वरित नस्ल सुधार कार्यक्रम के तहत सेक्स सॉर्टेड सीमन का उपयोग करते हुए कर्नाटक राज्य में 55,088 कृत्रिम गर्भाधान किए गए और 49,522 लाख किसानों को लाभ हुआ।

s(iv) उच्च आनुवंशिक गुणता वाले सांडों के उत्पादन के लिए नस्ल परीक्षण और वंशावली चयन का कार्यान्वयन। आज की स्थिति तक 4620 उच्च आनुवंशिक गुणता वाले सांडों का उत्पादन किया गया है और कर्नाटक सहित देश भर के सीमन केंद्रों में शामिल किया गया है।

(v) बोवाईनों की आबादी के तीव्र आनुवंशिक उन्नयन के लिए इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन (IVF) तकनीक का कार्यान्वयन किया गया है और देश में देशी नस्लों को बढ़ावा देने के लिए 24 आईवीएफ प्रयोगशालाएं स्थापित की गई हैं। इन प्रयोगशालाओं से 28579 व्यवहार्य भ्रूण उत्पादित किए गए हैं, जिनमें से 16210 भ्रूणों को हस्तांतरित किया गया है और 2612 बछड़े-बछड़ियां पैदा हुई हैं। इसके अलावा, किसानों को उचित दरों पर तकनीक उपलब्ध कराने के लिए, भारत सरकार ने देशी आईवीएफ मीडिया लॉन्च किया है। हाल ही में कर्नाटक में एक प्रयोगशाला (केंद्रीय हिमित सीमन उत्पादन और प्रशिक्षण संस्थान, बेंगलुरु) को कर्नाटक की देशी नस्लों जैसे हल्लीकर, अमृत महल, देवनी, मलनाद गिद्दा, कृष्णा वैली आदि के विकास और संरक्षण के लिए चालू किया गया है।

(vi) जीनोमिक चयन: विभाग ने देश में उच्च आनुवंशिक गुणता वाले पशुओं के जीनोमिक चयन को शुरू करने के लिए एकीकृत जीनोमिक चिप्स - देशी गोपशु के लिए गौ चिप और भैंसों के लिए महिष चिप विकसित की है, जिसमें कर्नाटक की देशी नस्लें भी शामिल हैं।

(vii) गोकुल ग्राम: पशुपालन और डेयरी विभाग ने राष्ट्रीय गोकुल मिशन के अंतर्गत देशी बोवाईन नस्लों के वैज्ञानिक एवं समग्र संरक्षण एवं विकास के उद्देश्य से 16 गोकुल ग्राम स्थापित किए हैं, जिनमें कर्नाटक के चिक्क मंगलुरु जिले के लिंगादहल्ली में देशी नस्लों के लिए स्थापित 1 गोकुल ग्राम भी शामिल है। गोकुल ग्रामों का विवरण एवं स्थान अनुबंध-I में दिया गया है।

(viii) ग्रामीण भारत में सामुदायिक संसाधन व्यक्तियों/बहुउद्देशीय कृत्रिम गर्भाधान तकनीशियनों (MAITRI) को किसानों के घर पर ही गुणवत्तापूर्ण कृत्रिम गर्भाधान सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रशिक्षित और सुसज्जित किया जाता है। आज की स्थिति तक देश भर में 42096 मैत्री (MAITRI) को प्रशिक्षित और सुसज्जित किया जा चुका है, जिनमें कर्नाटक राज्य में भर्ती की गई 4183 मैत्री (MAITRI) शामिल हैं।

(ix) गोपशुओं और भैंसों के प्रजनन के लिए उद्यमी तैयार करने और सेक्स सॉर्टेड सीमन या आईवीएफ तकनीक से उत्पादित देशी नस्लों के रोग-मुक्त, उच्च उत्पादकता वाले गोपशु और भैंस उपलब्ध कराने के लिए नस्ल वृद्धि फार्मों की स्थापना की गई है। 125 नस्ल वृद्धि फार्मों के लक्ष्य के मुकाबले अब तक राष्ट्रीय गोकुल मिशन के तहत 132 नस्ल वृद्धि फार्म स्वीकृत किए जा चुके हैं, जिनमें कर्नाटक राज्य के 9 फार्म शामिल हैं। संशोधित राष्ट्रीय गोकुल मिशन के तहत वर्ष 2024-25 और वर्ष 2025-26 के दौरान इस कार्यकलाप को बंद कर दिया गया है।

राष्ट्रीय गोकुल मिशन के तहत केंद्र सरकार द्वारा कर्नाटक राज्य को पिछले 3 वर्षों में प्रदान की गई वित्तीय सहायता और योजना की शुरुआत से अब तक उपलब्ध कराई गई कुल सहायता का विवरण निम्नलिखित तालिका में दिया गया है

राष्ट्रीय गोकुल मिशन के तहत कर्नाटक को जारी की गई निधि (लाख रु. में)			
वर्ष 2022-23	वर्ष 2023-24	वर्ष 2024-25	कुल (वर्ष 2014-15 में स्थापना से लेकर आज तक)
2950.48	2651.31	-	10737.35

भारत सरकार के पशुपालन और डेयरी विभाग द्वारा राष्ट्रीय गोकुल मिशन के कार्यान्वयन और उठाए गए अन्य कदमों से देश में दूध उत्पादन वर्ष 2014-15 में 146.31 मिलियन मीट्रिक टन से बढ़कर वर्ष 2024-25 में 248 मिलियन मीट्रिक टन हो गया है, जो पिछले 11 वर्षों में 69.41% की वृद्धि है। देश में बोवाइनों की कुल उत्पादकता वर्ष 2014-15 में 1648 किलोग्राम प्रति पशु प्रति वर्ष से बढ़कर वर्ष 2024-25 में 2251 किलोग्राम प्रति पशु प्रति वर्ष हो गई है, जो 36.63% की वृद्धि है। यह विश्व में किसी भी देश द्वारा हासिल की गई सबसे अधिक उत्पादकता वृद्धि है।

कर्नाटक में बोवाइनों की कुल उत्पादकता वर्ष 2014-15 में 3.51 किलोग्राम प्रति पशु प्रति दिन से बढ़कर वर्ष 2024-25 में 6.88 किलोग्राम प्रति पशु प्रति दिन हो गई है, यानी 96% की वृद्धि हुई है। देशी और नॉन-डिस्क्रिप्ट गोपशुओं की उत्पादकता वर्ष 2014-15 में 2.35 किलोग्राम प्रति पशु प्रति दिन से बढ़कर वर्ष 2024-25 में 3.58 किलोग्राम प्रति पशु प्रति दिन हो गई है, यानी 52.34% की वृद्धि हुई है। भैंसों की उत्पादकता वर्ष 2014-15 में 2.7 किलोग्राम प्रति पशु प्रति दिन से बढ़कर 2024-25 में 4.64 किलोग्राम प्रति पशु प्रति दिन हो गई है, यानी 71.85% की वृद्धि हुई है। कर्नाटक में दूध उत्पादन वर्ष 2014-15 में 61.20 लाख टन से बढ़कर वर्ष 2024-25 में 138.98 लाख टन हो गया है, यानी पिछले 11 वर्षों में इसमें 127% की वृद्धि हुई है।

पिछले 3 वर्षों के दौरान कर्नाटक में दूध उत्पादन और उत्पादकता का विवरण नीचे दिया गया है:

वर्ष	दूध उत्पादन (लाख टन)	दूध उत्पादकता (किग्रा/पशु/दिन)
2022-23	128.29	6.33
2023-24	134.63	6.24
2024-25	138.97	6.88

2. राज्यों द्वारा बोवाइनों में अज्ञात कारणों से होने वाले रोगों के निदान की सुविधाओं को सुदृढ़ करने और उनके स्वास्थ्य में सुधार लाने के प्रयासों को अनुपूरित करने के लिए, भारत सरकार का पशुपालन और डेयरी विभाग पशु रोगों के लिए निवारक टीकाकरण, पशु चिकित्सा सेवाओं की क्षमता निर्माण, रोग निगरानी और पशु चिकित्सा अवसंरचना को सुदृढ़ करने हेतु पशुधन स्वास्थ्य और रोग नियंत्रण कार्यक्रम (LHDCP) लागू कर रहा है। साथ ही, इस योजना के अंतर्गत पशु औषधि का एक नया घटक जोड़ा गया है, जिसका उद्देश्य प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्रों (PM-KSK) और सहकारी समितियों के माध्यम से देश भर में सस्ती जेनेरिक पशु चिकित्सा दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना है। योजना के अंतर्गत प्राप्त प्रगति का विवरण इस प्रकार है:

LHDCP योजना के पशु रोगों के नियंत्रण के लिए राज्यों को सहायता घटक के तहत, कर्नाटक को वर्ष 2025-26 में तालुका/ब्लॉक स्तर पर रोग निदान सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए केंद्रीय हिस्सेदारी के रूप में 120 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई थी।

LHDCP के तहत अब तक देश भर में खुरपका और मुंहपका रोग (FMD) के लिए 130.30 करोड़, ब्रुसेलोसिस के लिए 3.17 करोड़, पेस्ट-डेस-पेटिट्स रूमिनेंट्स (PPR) के लिए 6.62 करोड़, क्लासिकल स्वाइन ज्वर (CSF) के लिए 25.37 लाख और लंपी त्वचा रोग (LSD) के लिए 12.28 करोड़ टीके लगाए गए हैं, जिनमें कर्नाटक में खुरपका और मुंहपका रोग (FMD) के लिए 743 लाख, ब्रुसेलोसिस के लिए 24.3 लाख, पेस्ट-डेस-पेटिट्स रूमिनेंट्स (PPR) के लिए 0.19 लाख, क्लासिकल स्वाइन ज्वर (CSF) के लिए 0.26 लाख और लंपी त्वचा रोग (LSD) के लिए 5.09 लाख टीके शामिल हैं।

किसानों के द्वार तक पशु चिकित्सा सेवाएं पहुंचाने के लिए पशुपालन और डेयरी विभाग ने मोबाइल पशु चिकित्सा इकाइयां स्थापित की हैं। अब तक देश भर के 29 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में कुल 4019 मोबाइल पशु चिकित्सा इकाइयां (MVU) कार्यरत हैं, जिनमें कर्नाटक में स्थापित 275 MVU शामिल हैं। अब तक, MVU के माध्यम से देश भर में 254.93 लाख पशुओं का उपचार किया जा चुका है और 124.89 लाख किसानों को लाभ प्राप्त हुआ है, जिनमें से कर्नाटक में 7.13 लाख पशुओं का उपचार हुआ है और 4.6 लाख किसानों को लाभ मिला है।

3. राष्ट्रीय पशुधन मिशन (NLM) का उद्देश्य रोजगार सृजन, उद्यमिता विकास, प्रति पशु उत्पादकता में वृद्धि करना और इस प्रकार अम्ब्रेला योजना विकास कार्यक्रम के अंतर्गत मांस, बकरी के दूध, अंडे और ऊन के उत्पादन में वृद्धि करना है। इस योजना में निम्नलिखित तीन उप-मिशन शामिल हैं: (i) पशुधन और पोल्ट्री नस्ल विकास संबंधी उप-मिशन; (ii) पशु आहार और चारा विकास संबंधी उप-मिशन; और (iii) नवाचार और विस्तार संबंधी उप-मिशन।

इस योजना के तहत अब तक देशभर में कुल 2676.45 करोड़ रुपये की लागत वाली 3843 परियोजनाओं को अनुमोदित किया जा चुका है, जिनमें कर्नाटक में 801 करोड़ रुपये की परियोजना लागत वाली 1133 परियोजनाएं शामिल हैं।

अनुबंध-I

गोकुल ग्रामों की स्थिति

राज्य का नाम	**गोकुल ग्राम का स्थान**	**अनिवार्य नस्ल**
आंध्र प्रदेश	गोपशु प्रजनन फार्म, चडालवाड़ा, प्रकाशम	ओंगोल
तेलंगाना	पीवीएनआर तेलंगाना पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय	गिर, साहीवाल, थारपारकर, देवनी, ओंगोल
कर्नाटक	अमृत महल, उपकेंद्र, लिंगादहल्ली, चिक्क मंगलुरु,	अमृत महल
गुजरात	धरमपुर, पोरबंदर	गिर
मध्य प्रदेश	गोपशु प्रजनन फार्म, रतौना, सागर	थारपारकर
महाराष्ट्र	बुल मदर फार्म, ताथवड़े, पुणे	पंढरपुरी
	बुल मदर फार्म, पोहारा, अमरावती	गाओलाओ
पंजाब	बीर दोसांझ नाभा	साहीवाल; गिर
हरयाणा	हिसार	हरियाना; मुर्रा
हिमाचल प्रदेश	थानाखास, ऊना	साहीवाल
उत्तर प्रदेश	दुवासु मथुरा	साहीवाल; हरियाना
	आराजीलाइन्स वाराणसी	गंगातीरी
	सिमरा वीरान, शाहजहांपुर	साहीवाल
अरुणाचल प्रदेश	तेजू, लोहित	गिर, साहीवाल,
छत्तीसगढ़	संस्थागत गोकुल ग्राम झालम, बेमेतरा	गिर, साहीवाल, कोसली
बिहार	डुमरांव,बक्सर	हरियाना ग्रेडिड